Haryana ADA (Assistant District Attorney) Mains 2023

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

1. There are eighteen (18) questions in all.
   इसमें कुल अठारह (18) प्रश्न हैं।
2. Candidate has to attempt any fifteen (15) questions in all.
   परीक्षार्थी को कुल पंद्रह (15) प्रश्नों के उत्तर देनें हैं।
3. Marks assigned to each question/part are given against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
4. Word limit in questions, wherever specified should be adhered to.
   प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
5. Attempts of questions shall be counted sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the question-cum-answer booklet must be clearly struck off.
   प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जायेगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जायेगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को काट दीजिए।
6. No extra/additional sheet will be provided.
   कोई अतिरिक्त शीट उपलब्ध नहीं कराई जायेगी।
7. Answer must be written in the authorized medium. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर केवल प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

1. Distinguish between privity of contract and privity of consideration. Up to what extent the rule of Tweddle v. Atkinson has been applied by Indian Courts since Privy Council times? What are exceptions to the privity of contract? Elucidate your answer with help of case laws.
   अनुबंध की निजता और प्रतिफल की निजता के बीच अंतर स्पष्ट करें। ट्वीडल बनाम एटकिंसन का नियम प्रिवी काउंसिल के समय से भारतीय न्यायालयों द्वारा किस सीमा तक लागू किया गया है? अनुबंध की गोपनीयता के अपवाद क्या हैं? निर्णीत वादों की सहायता से अपना उत्तर स्पष्ट करें।

2. Explain the principle of discharge of contract on the various grounds of frustration. What are main theories that have been put forward to explain the juridical basis of the doctrine of frustration? Elucidate your answer with help of case law.
   हताशा के विभिन्न आधारों पर अनुबंध के निर्वहन के सिद्धांत की व्याख्या करें। नैराश्यता के सिद्धांत के न्यायिक आधार को समझाने के लिए कौन से मुख्य सिद्धांत सामने रखे गए हैं? निर्णीत वादों की सहायता से अपना उत्तर स्पष्ट करें।
3. Explain the nature and scope of rule of Caveat emptor relating to sale of goods. What are the exceptions to the above rule that has been statutorily and judicially recognised to protect the purchaser of the goods in view of the global dimensions of trade and business?
   माल की बिक्री से संबंधित क्रेता सावधान के नियम की प्रकृति और दायरे की व्याख्या करें। उपरोक्त नियम के क्या अपवाद हैं जिन्हें व्यापार और व्यवसाय के वैश्विक आयामों को ध्यान में रखते हुए माल के खरीदार की सुरक्षा के लिए वैधानिक और न्यायिक रूप से मान्यता दी गई है?

4. What are rights of unpaid seller against the goods? Under what circumstances the unpaid seller may exercise the right of lien over the goods? Under what cases the unpaid seller of goods right to lien comes to an end? Substantiate your answer with help of case law.
   माल के विरुद्ध अदत्त विक्रेता के क्या अधिकार हैं? किन परिस्थितियों में अदत्त विक्रेता माल पर ग्रहणाधिकार के अधिकार का प्रयोग कर सकता है ? किन मामलों में माल के अदत्त विक्रेता का ग्रहणाधिकार का अधिकार समाप्त हो जाता है ? निर्णीत वादों की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि करें।

5. "The person sharing the profits of the business do not always incur the liability of partners unless the real relations between them is that of partners." Critically examine with help of case law.
   "व्यवसाय के लाभ को साझा करने वाला व्यक्ति हमेशा साझेदारों के दायित्व को वहन नहीं करता है जब तक कि उनके बीच वास्तविक संबंध साझेदारों के न हों।" निर्णीत वादों की सहायता से आलोचनात्मक परीक्षण करें।

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

6. Explain the principle of doctrine of holding out of partnership firm. What will be scope of application of doctrine of holding out in cases of tortious liability, retired partners and liability of legal representatives or the estate of deceased partners if the firm is not dissolved and remaining partners continued the business of firm in old names? Substantiate your answer with help of case law.
साझेदारी फर्म के व्यपदेशन सिद्धांत की व्याख्या करें। यदि फर्म भंग नहीं हुई है और शेष साझेदार पुराने नामों से फर्म का व्यवसाय जारी रखते हैं, तो कपटपूर्ण दायित्व, सेवानिवृत्त साझेदारों और कानूनी प्रतिनिधियों के दायित्व या मृत साझेदारों की संपत्ति के मामलों में व्यपदेशन के सिद्धांत के उपयोजन का दायरा क्या होगा ? निर्णीत वादों की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि करें।

7. Define Attempt and distinguish it from preparation. To constitute the attempt, the act done must be the penultimate act towards the commission of offence or the completion of offence must be prevented by circumstances beyond the control of the offender? Explain with the help of relevant provisions and judicial pronouncements.
प्रयास को परिभाषित करें और बताएं कि यह तैयारी से किस तरह से भिन्न है? 'प्रयास' का गठन करने के लिए किया गया कार्य अपराध करने के लिए अंतिम कार्य होना चाहिए या अपराध की समाप्ति को अपराधी के नियंत्रण से परे परिस्थितियों द्वारा रोका जाना चाहिए ? प्रासंगिक प्रावधानों और न्यायिक घोषणाओं की सहायता से समझाएं।

8. Distinction between culpable homicide and murder depends on the degree of intention and knowledge with which the death is caused. Whether, the liability is determined on the basis of facts and circumstances considering the nature of weapon used in the act.? Explain with the help of relevant provisions and decided cases.
आपराधिक मानववध और हत्या के बीच अंतर, आशय और जानकारी की डिग्री पर निर्भर करता है जिसके साथ मौत कारित की गई है। क्या दायित्व का निर्धारण कृत्य में प्रयुक्त हथियार की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर किया जाता है ? प्रासंगिक प्रावधानों और निर्णीत मामलों की सहायता से समझाइए।

9. Distinguish between legal and medical insanity under Indian Penal Code. Up to what extent the plea of irresistible impulse, partial delusion and insanity brought by drunkenness will be considered as an excuse for criminal liability? Substantiate your answer with help of case law.
भारतीय दंड संहिता के तहत विधिक और चिकित्सीय पागलपन के बीच अंतर बताएं। किस हद तक अप्रतिरोध्य आवेग, आंशिक भ्रम और नशे से उत्पन्न पागलपन की दलील को आपराधिक दायित्व के लिए प्रतिहेतु माना जाएगा ? निर्णीत वादों की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि करें।

10. What do you mean by the term arrest? Discuss the circumstances in which the arrest of a person becomes necessary. Do you think that the provisions giving somewhat unlimited power to the police to arrest without warrant is just fair and reasonable? Explain.
गिरफ्तारी शब्द से आप क्या समझते हैं ? उन परिस्थितियों पर चर्चा करें जिनमें किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी आवश्यक हो जाती है। क्या आपको लगता है कि पुलिस को बिना वारंट के गिरफ्तार करने की कुछ हद तक असीमित शक्ति देने वाले प्रावधान उचित निष्पक्ष और तर्कसंगत हैं ? व्याख्या करें।

11. Explain the meaning of investigation. On receiving information as to the commission of cognizable offence what is the investigating procedure to be followed by the officer in-charge of police station? In what way the evidentiary value of F.I.R. is greater than that of any statement recorded by the police in the course of investigation? Discuss
अन्वेषण का अर्थ स्पष्ट कीजिए। संज्ञेय अपराध घटित होने की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी द्वारा अपनाई जाने वाली जाँच प्रक्रिया क्या है? एफ.आई.आर. का साक्ष्यात्मक मूल्य किस प्रकार से जांच के दौरान पुलिस द्वारा दर्ज किए गए किसी भी बयान से अधिक है? चर्चा करें।

12. What is "anticipatory bail"? Under what circumstances can such bail be granted? What principles should the court follow while cancelling a bail? Can a bail granted by the Session Court be cancelled by the High Court? Explain with the help of relevant provisions and case laws.
'अग्रिम जमानत' क्या है? ऐसी जमानत किन परिस्थितियों में दी जा सकती है ? जमानत रद्द करते समय अदालत को किन सिद्धांतों का पालन करना चाहिए? क्या सत्र न्यायालय द्वारा दी गई जमानत को उच्च न्यायालय द्वारा रद्द किया जा सकता है ? प्रासंगिक प्रावधानों और निर्णीत वादों की सहायता से व्याख्या करें।

13. A verdict against a man suing in one capacity will not stop him when he sues in another distinct capacity. In light of the above statement, discuss the conditions which are required to constitute, Res Judicata. Substantiate your answer with the help of case laws.
एक व्यक्ति द्वारा एक क्षमता में मुकदमा करने पर फैसला उसे किसी अन्य विशिष्ट क्षमता में मुकदमा करने से नहीं रोकेगा। उपरोक्त कथन के आलोक में, उन शर्तों पर चर्चा करें जो पूर्व न्याय (रेसज्यूदिकाटा) के लिए आवश्यक हैं। निर्णीत वादों की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि करें।

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

14. 'Unless a right of appeal is clearly given by the statute, it does not exist. Referring to the above statement, discuss the grounds of the First and Second Appeal with help of case law.
जब तक कानून द्वारा अपील का अधिकार स्पष्ट रूप से नहीं दिया जाता है, तब तक इसका अस्तित्व नहीं है। उपरोक्त कथन का संदर्भ लेते हुए, निर्णीत वादों की सहायता से पहली और दूसरी अपील के आधारों की चर्चा करें।

15. What do you mean by confession? Can a confession of an accused in the police custody to anyone else be proved against him? Under what circumstances the fact discovered by the police because of the information given by the accused in police custody is proved against the accused? Also, explain the situation when a confession made by one accused can be used against co-accused? Discuss with help of relevant provisions and decided cases.

स्वीकारोक्ति से आपका क्या तात्पर्य है? क्या पुलिस हिरासत में किसी आरोपी का किसी और के सामने कबूलनामा उसके खिलाफ साबित किया जा सकता है? पुलिस अभिरक्षा में अभियुक्त द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस द्वारा पाया गया तथ्य किन परिस्थितियों में अभियुक्त के विरुद्ध प्रमाणित होता है? साथ ही, उस स्थिति की व्याख्या करें जब एक आरोपी द्वारा दिए गए कबूलनामे का इस्तेमाल सह-अभियुक्तों के खिलाफ किया जा सकता है। प्रासंगिक प्रावधानों और निर्णीत वादों की सहायता से चर्चा करें।

16. What do you mean by dying declaration? What are the reasons of its admissibility? Explain the conditions when a dying declaration be admissible under the Indian evidence Act, 1872. Also, highlight the evidentiary value of it.
मृत्युपूर्व कथन से आपका क्या तात्पर्य है ? इसकी स्वीकार्यता के क्या कारण हैं? उन स्थितियों की व्याख्या करें जब मृत्युपूर्व बयान भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के तहत स्वीकार्य होगा। साथ ही, इसके साक्ष्यात्मक मूल्य पर भी प्रकाश डालें।

17. Critically examine the judicial approach regarding the constitutionality of Section 9 of Hindu Marriage Act. How the issue of restitution of conjugal rights have been addressed by the Court in case of working women? What are the grounds which have been considered as valid considerations and what have been considered as unreasonable excuse for withdrawing from the society of another spouse? Substantiate your answer with help of case law.
हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 9 की संवैधानिकता के संबंध में न्यायिक दृष्टिकोण का आलोचनात्मक परीक्षण करें। कामकाजी महिलाओं के मामले में वैवाहिक अधिकारों की बहाली के मुद्दे को न्यायालय ने कैसे संबोधित किया है ? वे कौन से आधार हैं जिन्हें पति/पत्नी के साथ से अलग रहने के लिए अनुचित/उचित कारण माना गया है ? निर्णीत वादों की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि करें।

18. "In order to constitute desertion factum of separation and animus deserendi should continue during the entire statutory period immediately preceding the presentation of petition." Critically examine with the help of case law and judicial guidelines.
"परित्याग का गठन करने के लिए अलगाव और अभित्यजन का आशय याचिका की प्रस्तुति से तुरंत पहले पूरी वैधानिक अवधि के दौरान जारी रहना चाहिए।" निर्णीत वादों और न्यायिक दिशानिर्देशों की सहायता से आलोचनात्मक जांच करें।

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)